प्रेरितों के काम 4

Published by the Comic Bible Society, LLC
Copyright © 2021

Kingstone Comics maintains copyright to this comic book as provided by United States copyright law.

Print and digital copies of this version may be freely distributed without penalty under a Creative Commons license.

पौलुस ने अन्ताकिया को छोड़ दिया और सबसे बड़े बंदरगाह के शहर इफिसुस की यात्रा की।
वहाँ उसने बारह चेलों को पाया जिन्होंने परमेश्वर की पवित्र आत्मा के बारे में नहीं सुना था जो यीशु के सच्चे विश्वासियों में निवास करता है।
तीन महीने तक पौलुस आराधनालय में दृढ़तापूर्वक बोलता रहा...
...पवित्रशास्त्र से तर्क करके, लोगों को परमेश्वर के राज्य के बारे में सिखाता रहा।
जबकि कुछ लोगों ने इस मार्ग के बारे में बुरा बोला, पौलुस ने दो साल तक प्रतिदिन तुरन्नुस की पाठशाला में पढ़ाया।
बहुत से यात्री पाठशाला में सुनने के लिए आया करते थे---
--और पूरे एशिया में सुसमाचार फैल गया।

प्रेरितों के का १९:११-१२

कुछ लोगों ने पौलुस के चमत्कारों की नकल करने की कोशिश की।
स्क्किवा, यहूदी महायाजक के ७ बेटे थे।
उन्होंने भूत भगाने का फैसला किया।
जिस यीशु के नाम में पौलुस घोषणा करता है, मैं तेरे अन्दर की दुष्टात्मा को बाहर निकलने की आज्ञा देता हूँ!
यीशु को मैं जानती हूँ, और पौलुस को भी मैं पहचानती हूँ।
लेकिन तुम कौन हो?

प्रेरितों के काम १९:१६-१७

प्रेरितों के काम १९:१९-२०

प्रेरितों के काम १९:२३-३३

इफ़िसियों की अरतिमिस महान है!
इफ़िसियों की अरतिमिस महान है!
वे यह जानते भी नहीं हैं कि वे क्या कह रहे हैं!
दो घंटे तक भीड़ ने क्रोधपूर्ण अरतिमिस की प्रशंसा की और यीशु के सुसमाचार के प्रति घृणा फैल गई।
मुझे इन दर्शकों को सुसमाचार सुनाना चाहिए।
ये कोई दर्शक नहीं है - यह एक भीड़ है!
वे तुझे मार देंगे!
अंत में, नगर अध्यक्ष ने भीड़ को संबोधित किया।
इफिसुस के लोगों!
हमारा बड़ा शहर अरतिमिस के मंदिर का रखवाला है!
इन लोगों के कहने से कुछ भी नहीं बदलने वाला!
अगर देमेत्रियुस और उसके कारीगरों के पास कोई मुकद्दमा है तो--
--तो वे उसे न्यायलय में ले जाए!
लेकिन अगर रोम को पता चला कि हम दंगे कर रहे हैं, तो हमारे शहर को नुकसान होगा!
कृपया घर जाओ!
इफिसुस में तीन साल के बाद, मैं यूनानी कलीसियाओं से फिर से भेंट करने के लिए उत्सुक हूँ।
और फिर, परमेश्वर की इच्छा अनुसार, रोम को भी!
सुसमाचार लेकर पूरी दुनिया तक पहुँचने के लिए इससे बेहतर जगह कौन-सी हो सकती है?!

कुरिन्थुस से हम त्रोआस गए। रविवार को हम प्रभु-भोज के लिए एकत्र हुए।
आधी रात तक पौलुस ने पवित्रशास्त्र से सिखाया।
यूतुखुस!
हमारा बेटा ... वह मर चुका है!
चिंता मत करो। परमेश्वर उसके प्राण फिर से लौटाएगा।

प्रेरितों के काम २०:१-१२

त्रोआस से हम बहुत स्थानों के लिए समुद्री यात्रा पर रवाना हुए, जिसमें मिलेतुस भी शामिल है।
पौलुस ने इफिसुस से होकर यात्रा करने का फैसला किया। वह पिन्तेकुस्त के लिए यरूशलेम में आना चाहता था।
इसलिए पौलुस ने इफिसुस के प्राचीनों को मिलेतुस में मिलने के लिए कहा।
परमेश्वर का आत्मा मुझे यरूशलेम की ओर जाने के लिए विवश कर रहा है।
बहुतों ने मुझे न जाने की चेतावनी दी है।
परमेश्वर ने मुझे बोला है कि दुख और क्लेश मेरा इंतजार कर रहे हैं।
लेकिन मैं अपने जीवन को बहुमूल्य नहीं समझता....
...वरन यह कि मैं अपने कार्य को पूरा करूं और परमेश्वर के अनुग्रह के सुसमाचार की गवाही दूं।
तुम मुझे इस संसार में फिर कभी नहीं देखोगे।
याद रखना मैं तुम्हें परमेश्वर की पूर्ण मनसा को बताने से नहीं चूका।
अपने आप की और झुण्ड की रखवाली करना....
... भेड़ के भेष में भेड़िए आएंगे, भविष्यद्वक्ताओं की तरह मुखौटा लगाकर, तुम्हें फाड़ खाने के लिए प्रतीक्षा करेंगे।

हम यात्रा करते हुए फिलिस्तीन गए और फिर यरुशलेम चले गए।
भाई पौलुस!
हम अन्यजातियों के बीच में परमेश्वर के कार्य के विषय में सुनकर बहुत खुश हैं!
अब जब तू यहाँ है तो क्लेश से बाहर रहने का प्रयास कर!
लेकिन पौलुस को क्लेश से बाहर रहने का उपहार नहीं दिया गया था।
उसने मंदिर की मन्नत पूरी करने के लिए अपना सिर मुंडवा लिया, लेकिन इस कार्य ने भी उसे लोकप्रिय नहीं बनाया।
वह यूनानियों को मंदिर में ले आया!
कृपा करके मुझे लोगों से बात करने दें।
वह भीड़ तेरी सुनने से पहले तुझे मार डालेगी...
...उतना ही दिलचस्प होगा।

पौलुस सिद्ध यूनानी में बोलने से सीधा शुद्ध इब्रानी में बोलने लगा:
मैं एक यहूदी हूँ, जो तरसुस में पैदा हुआ, लेकिन यरूशलेम में पला और बड़ा हुआ...
-- हमारी यहूदी व्यवस्था का सख्ती से पालन करने के लिए रब्बी गमलीएल के चरणों में बैठकर शिक्षा प्राप्त की।
मैंने इस पंथ के पुरुषों और स्त्रियों को सताया और कैद किया।
न्याय समिति मेरे विषय में प्रमाणित कर सकती है।
जैसे ही मैं यीशु के अनुयायियों को गिरफ्तार करने के लिए दमिश्क के पास पहुँचा...
... मेरे चारों ओर एक बहुत बड़ी ज्योति चमकने लगी। स्वर्ग से एक आवाज ने कहा:
“मैं नासरत का यीशु हूँ जिसे तू सता रहा है।”
उससे दूर हो जाओ!
ऐसे मनुष्य को जीने का कोई अधिकार नहीं होना चाहिए!
पौलुस को पीटा गया--
क्या तुम्हारे लिए एक रोम के नागरिक को बिना जाँचे कोड़े मारना उचित है?
मैंने अपनी नागरिकता खरीदी।
मैं जन्म से नागरिक हूँ।

प्रेरितों के काम २२:३०-२३:१०

उसी रात उसकी जेल की कोठरी में, पौलुस से मिलने एक अतिथि आया.... परमेश्वर का पुत्र!
धैर्य रख। तूने जिस तरह यरूशलेम में मेरे विषय में गवाही दी थी.... उसी तरह तुझे रोम में भी करना है।
और फिर दूसरा।
तेरा भान्जा?
हाँ!
कितना समय हो गया तुझे देखे हुए!
काश मेरे पास अच्छी खबर होती
मैंने लोगों को मंदिर के अगुवों से बात करते हुए सुना है!
वे कह रहे थे कि....
....हमने एक शपथ खाई है!
हम तब तक नहीं खाएंगे या पिएंगे जब तक पौलुस मर नहीं जाता!
और हम उसे स्वयं मारने के लिए तैयार हैं!

प्रेरितों के काम २३:१८

प्रेरितों के काम २३:३१-२४:२३

कुछ समय के बाद, फेलिक्स अपनी पत्नी द्रुसिल्ला को पौलुस की बात सुनने के लिए ले आया।
मैं तुम्हारे लिए परमेश्वर के एकलौते पुत्र में अनन्त जीवन का सुसमाचार लाया हूँ।
हमारे कार्यों के कारण न्याय प्रकट होनेवाला है!
लेकिन छुटकारा भी है, यीशु मसीह के द्वारा!
अपने पापों को मान लेना कठिन नहीं है!
और हमें खुद पर संयम रखने का अभ्यास करना चाहिएढ़
अभी के लिए इतना ही काफी है!
फेलिक्स ने पौलुस को कैसरिया में दो साल तक कैद में रखा।
वह पौलुस की रिहाई के बदले में रिश्वत लेने की आशा रखता था।
पौलुस ने अपनी परिस्थिति का उपयोग उन सभी को यीशु के बारे में बताने के लिए किया जो सुनना चाहते थे।
अंततःफेस्तुस ने फेलिक्स का स्थान लिया।
धार्मिक अगुवों ने उससे पौलुस को यरूशलेम भेजने के लिए कहा--
--घात लगाकर वार करने की दूसरी योजना बनाई जा रही थी।
वह हमारी व्यवस्था के विरोध में बोलता है।
वह हमारे मंदिर के विरोध में बोलता है।
वह कैसर का शत्रु है।
वे अपने किसी भी आरोप को साबित नहीं कर पाए।

इसलिए कैसरिया लौटने पर, पौलुस को फेस्तुस के सामने लाया गया।
क्या तू चाहता है कि यरूशलेम पहुँचकर मेरे सामने इन आरोपों पर मुकद्दमा चलाया जाए?
तू जानता है कि उनके आरोप बेबुनियाद हैं।
मैं स्वयं कैसर की दोहाई देता हूँ!
तू रोम का नागरिक है।
तू ने कैसर की दोहाई दी है; तू कैसर के पास जाएगा!
रोम के लिए रवाना होने से पहले, राजा हेरोदेस अग्रिप्पा...
... और उसकी पत्नी बिरनीके, फेस्तुस के साथ पौलुस की बात सुनने के लिए गए।

...यह पौलुस है, जिसे वे प्रेरित कहते हैं।
राजा हेरोदेस, मैं स्वयं को बहुत भाग्यशाली मानता हूँ कि मैं तेरे सामने अपना पक्ष रखूँगा।
क्योंकि तू यहूदी रीति-रिवाजों और धर्मसिद्धांतों से परिचित है।
मैं नासरत के यीशु का शत्रु था...
क्रोध में आकर मैंने उसके अनुयायियों को सताया.
तब यीशु ने मुझे यह कहते हुए दर्शन दिया, "मैं तुझे उनकी आँखें खोलने के लिए भेज रहा हूँ
ताकि वे पापों से छुटकारा पा सकें।"
इसलिए, हे राजा अग्रिप्पा, मैं ने स्वर्गीय दर्शन की आज्ञा नहीं टाली,
मैं कहता हूँ कि सभी को पश्चाताप करना चाहिए और परमेश्वर की ओर फिरना चाहिए।
इसी कारण से, वे मुझे मार डालने की कोशिश करते हैं।
पौलुस, तू पागल हो गया है!
बहुत अधिक शिक्षा ने तुझे पागल कर दिया है!
नहीं, मैं सच्चाई और समझदारी की बातें कहता हूँ।
राजा अग्रिप्पा इन बातों के विषय में जानता है।

पौलुस, इतने कम समय में क्या तू मुझे मसीही होने के लिए राजी करना चाहता है?
चाहे थोड़ा हो या बहुत, मैं केवल तुझे ही नहीं बल्कि मुझे सुनने वाले सभी को चाहता हूं...
...जैसा मैं हूँ वैसे हो जाएँ, इन जंजीरों को छोड़कर।
यदि उसने कैसर की दोहाई नहीं दी होती, तो वह स्वतंत्र हो सकता था।
यूलियुस नाम का एक सेनापति पौलुस और अन्य कैदियों को रोम जाने वाले जहाज पर ले गया।
मैंने थिस्सलुनीके के हमारे भाई अरिस्तर्खुस के साथ एक अच्छी यात्रा का अनुभव किया।
यूलियुस पौलुस के प्रति कृपालु था...
...उसे जहाज में स्वतंत्र रूप से उठने-बैठने की अनुमति दी।
हम कैसरिया से पाल खोलकर सीदोन को गए, और फिर तेज हवा में कुप्रुस के पास से पाल खोलकर मूरा को आए।
GALATIA
CILICIA
CNIDUS
PAMPHYLIA
MYRA
CRETE
SALMONE
FAIR HAVENS
CAUDA
CYPRUS
SIDON
CAESAREA
JERUSALEM
EGYPT
हम जहां भी कर सकते थे, हमें समुद्र तटों को गले लगाना पड़ा।

प्रेरितों के काम २१:९-१३

अचानक से एक तूफ़ान उठा। जहाज को टूटने से बचाने के लिए लंगर की रस्सियों को काटा गया।
अगले २४ घंटों तक यह लगातार चलता रहा। हम तूफान में पत्ते की तरह उडते हुए लग रहे थे।
भोजन और ताजे पानी के अलावा सब कुछ बाहर फेंक दो!
तूफान हमें लगातार झनझोर रहा था।
रुको! सब कुछ बदला जा सकता है लेकिन मानव जीवन नहीं!
तीसरे दिन तक कप्तान हताश हो गया...
... यहाँ तक कि जहाज की सारी सामग्री और जहाज के पाल-आदि का सामान भी पानी में फेंक दिया गया था।

हमने बचने की सारी उम्मीद छोड़ दी थी।
पौलुस, मैं तुम्हारे लिए राजाओं के राजा की तरफ से एक सन्देश लाया हूँ!
हे सज्जनों, मुझे यह कहना नापसंद है कि मैंने तुमसे ऐसा कहा था, पर...
तुम्हें क्रेते में ठहरे रहना चाहिए था।
मैं तुमसे विन्ती करता हूँ कि दिल को थाम लो, क्योंकि किसी की जान नहीं जाएगी.
केवल जहाज की।
आज रात परमेश्वर के एक स्वर्गदूत ने मुझसे कहा, हे पौलुस, मत डर; तुझे कैसर के सामने खड़े होना है।
और परमेश्वर उन सभों के प्राणों की रक्षा करेगा, जो तेरे संग यात्रा कर रहे हैं।८

चौदह रातें बीतने के बाद भी हम अभी भी हम अद्रिया सागर में टकरा रहे थे।
भूमि! मैंने महसूस किया है!!!
पंद्रह पुरसा थाह ली। चट्टानों से टकराने से पहले लंगर डाल दो!
जब तक कि ये लोग जहाज में ठहरे न रहें, तू बचाया नहीं जा सकता।
सैनिकों ने जहाज की नाव की रस्सियों को काट दिया और उसे जाने दिया।
दो सप्ताह तक तुम भय के साथ और बिना भोजन के रहे हो।
अब खाना खा लो!
तुम्हें ताकत की आवश्यकता है।
धन्यवाद पिता, हमें छुड़ाने के तेरे वायदे के लिए।
यीशु के सुसमाचार के प्रकाश के द्वारा इन लोगों को पाप के अन्धकार से छुड़ा।

प्रेरितों के काम २७:४१-२८:३

यह हमारे यहाँ सबसे घातक साँप है। वह कुछ ही क्षणों में मर जाएगा।
यह आदमी एक हत्यारा हो सकता है।
वह समुद्र से बचकर निकल आया है; परन्तु न्याय की देवी उसे जीवित न रहने देगी।
उस देश के निवासी उसके सूज जाने और मरने का इंतजार कर रहे थे।
जब उन्हें एहसास हुआ कि वह जीवित रहेगा, तो उन्होंने अपना विचार बदल दिया।
उस साँप के जहर से आज तक कोई व्यक्ति नहीं बचा!
वह कोई देवता होगा!
मैं सिर्फ एक मनुष्य हूँ! उठो और मेरी बात सुनो।
मैं तुम्हें एक सच्चे परमेश्वर के विषय में बताऊँगा।
वह सर्वशक्तिमान और पवित्र है, लेकिन उसके पास तुम्हारे लिए सुसमाचार है!

अब तक तू मर जाता!
हाँ, तेरे रोगी होने के वर्षों के बाद, मुझे होना चाहिए था।
कोई भी साँप, स्वयं शैतान भी, मुझे रोम में सुसमाचार का प्रचार करने से नहीं रोक सकेगा।
माल्टा के एक धनी, पुबलियुस ने तीन दिनों तक हमारे साथ शाही तरीके से बर्ताव किया।
यीशु तुम्हें नरक से छुड़ाकर स्वर्ग में पहुँचाने के लिए आए थे।
क्या तू अपके पाप से उस की ओर फिरेगा?
मैंने तुझे साँप के काटने और चमत्कारिक ढंग से बचने के बारे में सुना!
क्या तेरा परमेश्वर सिर्फ तेरे लिए ही चमत्कार करता है?
मेरा पिता बीमार है।
बहुत बीमार।
मुझे उसके पास ले चल।

उसे बुखार है। और पेचिश है।
एक संदेह करनेवाले वैद्य के लिए, सच्चे चमत्कारों को देखना विस्मयकारी है।
पुबलियुस के पिता की चंगाई के बाद--
पूरे माल्टा में कई और बीमार लोगों को चंगा करने के लिए परमेश्वर ने पौलुस का इस्तेमाल किया।
अंत में, हम रोम जाने के लिए तैयार हुए।
माल्टा के लोगों ने हमें वह सब कुछ दिया जिसकी हमें ज़रूरत थी और उस भी बहुत अधिक।

प्रेरितों के काम २८:१२-१६

पौलुस ने स्थानीय यहूदी अगुवों को एक साथ बुलाया।
हे भाइयों, मैंने हमारे लोगों या हमारे रीति-रिवाजों के विरोध में कुछ नहीं किया।
रोम के लोग मुझे स्वतंत्र करना चाहते थे, लेकिन कुछ धार्मिक अगुवों ने इसका विरोध किया।
हम तेरे विचार सुनना चाहते हैं
... क्योंकि हर जगह लोग मसीही समुदाय के विरोध में बोलते हैं।

लोग बड़ी संख्या में उसके घर आए और उसने उन्हें परमेश्वर के राज्य के बारे में बताया और उन्हें मूसा और भविष्यद्वक्ताओं की व्यवस्था से यीशु के बारे में समझाने की कोशिश की।
कुछ ने विश्वास किया और कुछ ने नहीं।
वे पौलुस के इस अंतिम वचन के साथ चले गए...
पवित्र आत्मा सही था जब उसने यशायाह भविष्यद्वक्ता के द्वारा कहा, "यहूदियों से कहो..."

"तुम सुनोगे और देखोगे, पर समझ नहीं पाओगे, क्योंकि तुम्हारे मन बहुत मोटे हैं, और तुम कानों से नहीं सुनते, और तुम ने देखने और सुनने और समझने के लिए अपनी आँखें बंद कर ली हैं, और तुम मेरी ओर फिरो तो मैं तुम्हें चंगा करूँगा।"

इसलिए, मैं चाहता हूँ कि तुम यह अनुभव करो कि परमेश्वर की ओर से यह उद्धार अन्यजातियों के लिए उपलब्ध है - और वे इसे स्वीकार करेंगे।

अगले दो वर्ष तक पौलुस किराए के घर में रहा, और जितने उसके पास आए, उन सभों का स्वागत किया, और उन्हें परमेश्वर के राज्य और प्रभु यीशु मसीह के विषय में बड़े हियाव से बताता रहा: और किसी ने उसे रोकने की कोशिश नहीं की।

नीरो के शासनकाल में पतरस और पौलुस दोनों रोम में कलीसिया की सहायता कर रहे थे।
वहाँ - वह मछुआरा है जिसे पतरस कहा जाता है। वह भी प्रेरितों में से एक है। उसे गिरफ्तार कर लो!

यीशु के सुप्रसिद्ध शिष्य और कलीसिया के अगुवे के रूप में, पतरस को मसीही समुदाय पर अपने हमले में सम्राट नीरो के आदेश से गिरफ्तार किया गया था।

सम्राट नीरो के आदेश से, मसीहियों के अगुवे शमौन पतरस को सूली पर चढ़ाने के द्वारा मौत की सजा दी गई थी।
लेकिन मैं अपने प्रभु के समान मरने के योग्य नहीं हूँ।
मैं बस यही आग्रह करता हूँ
कलीसिया की परंपरा के अनुसार, क्योंकि उसने प्रभु को अस्वीकार किया था, इसलिए पतरस सोचता था कि वह यीशु मसीह की तरह सूली पर चढ़ने के योग्य नहीं है,
यीशु ने पतरस से भविष्यद्वाणी की थी, "मैं तुझसे सच सच कहता हूँ कि जब तू जवान था, तो तू स्वयं ही कपड़े पहन लेता था और जहाँ जाना चाहता था वहाँ जाता था, परन्तु जब तू बूढ़ा हो जाएगा तो अपने हाथ फैलाएगा, और कोई और तुझे कपड़े पहनाएगा और जहाँ तू जाना नहीं चाहता है वहाँ ले जाया जायेगा।" यीशु ने यह उस प्रकार की मृत्यु की ओर संकेत दिया जिसके द्वारा पतरस परमेश्वर की महिमा करेगा।

रोम में पौलुस का दूसरी बार कारावास ७४-७१ ईस्वी में हुआ था।
रोम का अधिकांश भाग आग में नष्ट हो जाने के कुछ ही समय बाद, उसे नीरो के सामने लाया गया।
तरसुस के पौलुस, तू रोम का नागरिक होते हुए तुझे इस झूठे प्रभु पर अपना विश्वास त्याग देना चाहिए।
इन शब्दों को कह, "कैसर प्रभु है," और महान और दयालु नीरो तुझे बचाएगा।
मैं दूसरे देश का नागरिक हूँ और मसीह की दया ने मुझे पहले से ही बचा लिया है।
कैसर के सामने अपने घुटने टिकाओ और तुम स्वतंत्र हो जाओगे।
मैं सिर्फ एक ही राजा, राजाओं के राजा के सामने अपने घुटने टेकता हूँ, उसने मुझे पहले से ही स्वतंत्र कर दिया है।
मैं कैसर हूँ, और कोई राजा नहीं है, तू किसकी बात करता है?
राजा यीशु, मेरा प्रभु, और मेरा उद्धारकर्ता।
मैं तुझे यह कहने की आज्ञा देता हूँ, "कुरोस कैसर... कैसर ही प्रभु है!"
स्वर्ग और पृथ्वी के एकमात्र सच्चे प्रभु की आज्ञाकारिता में
मैं कहता हूँ, "कुरोस यीशु...यीशु ही प्रभु है!"

जोर से प्रहार करना!!!
६८ ई. के जून में नीरो द्वारा पौलुस का सिर काट दिया गया था।
बाइबल में पौलुस की कहानी एक सबसे उल्लेखनीय है। वह एक धार्मिक यहूदी कट्टरपंथी था जिसने मसीह के अनुयायियों को सताया और उन्हें कैद किया और मार डाला। लेकिन दमिश्क के रास्ते में जी उठे हुए मसीह के साथ एक चमत्कारी मुठभेड़ होने के बाद, पौलुस का जीवन पूरी तरह से बदल गया।
पौलुस यकीनन मसीही समुदाय का सबसे क्रियाशील समर्थक और गैर-यहूदी दुनिया के लिए प्रेरित बन गया। पौलुस को नये नियम में १७ किताबें लिखने का श्रेय दिया जाता है और प्रेरितों के काम की किताब में उसके जीवन का अधिकांश हिस्सा शामिल है, जिसमें पूरे रोम के साम्राज्य में सुसमाचार को ले जाने के लिए उसकी तीन मिशनरी यात्राएँ भी शामिल हैं।
पौलुस के जीवन से, हम देख सकते हैं कि परमेश्वर किसी को भी बचा सकता है और उपयोग कर सकता है। पौलुस ने पूरी तरह से परमेश्वर के सामने समर्पण कर दिया था और यीशु मसीह के सुसमाचार को सुनाने के लिए पूरी तरह से वचनबद्ध था।
हम सबको भी ऐसा ही करना चाहिए।

"THE BIBLE EXPLAINED IN EVERY LANGUAGE."

SUPERBIBLE.TV